साहित्य अकादेमी
रवीन्द्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग
नई दिल्ली 110 001
दूरभाष : 23386626 / 23387064 फैक्स : 23382428, ई–मेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव

सा.अ. / 61 / 17 / बीएस / पीएन /

30 अगस्त 2017

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान

साहित्य अकादेमी प्रत्येक वर्ष दो श्रेणियों में छह भाषा सम्मान प्रदान करती है, दो सम्मान उन लेखकों / विद्वानों को दिए जाते हैं, जिन्होंने कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है तथा चार सम्मान उन भाषाओं के विद्वानों / लेखकों को, जिन्हें अकादेमी की मान्यता प्राप्त नहीं है तथा जिन्होंने अपनी भाषाओं के लिए महत्त्वपूर्ण योगदान दिया हो को प्रदान किए जाते हैं।

साहित्य अकादेमी ने कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य तथा तुलु भाषा के क्षेत्र में किए गए महत्त्वपूर्ण योगदानों के लिए निम्नलिखित दो लेखकों / विद्वानों को वर्ष 2016 के भाषा सम्मान के लिए चुना है :–

1. **कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य**
   प्रो. मधुकर अनंत मेहेंदले (जन्म : 1918) वेदों एवं महाकाव्यों, पालि और प्राकृत, ऐतिहासिक भाषिकी, महाभारत तथा अवेस्ता के विद्वान हैं। आपने सौ से अधिक शोध आलेख तथा अंग्रेज़ी, मराठी तथा संस्कृत में 11 पुस्तकें लिखी हैं। आपको शिक्षकों के लिए महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार (विश्वविद्यालय स्तर), राष्ट्रपति सम्मान प्रमाणपत्र (संस्कृत), मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कार, गुरु गंगेश्वर राष्ट्रीय वेद–वेदांग पुरस्कार आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया।

2. **तुलु भाषा**
   डॉ. अमृत सोमेश्वर (जन्म : 1935) तुलु लेखक एवं विद्वान हैं। आपने तुलु भाषा और साहित्य के विकास हेतु महत्त्वपूर्ण कार्य तथा गहन शोध किए हैं। आपने अपनी महत्त्वपूर्ण कृतियों *पदथनास* तथा *भामाकुमार संधि* को कन्नड में अनूदित किया है। आपकी प्रमुख कृतियों में *थमबिल* और *रंगित* (दोनों कविता–संग्रह) तथा सात तुलु नाटकों का एक संग्रह शामिल हैं। आपको कर्नाटक तुलु साहित्य अकादमी पुरस्कार, ताल्लुरु कनक अन्नय्या शेट्टी पुरस्कार, कन्नड साहित्य परिषद् शतवार्षिकी पुरस्कार, कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, डॉ. शिवराम कारंत पुरस्कार आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया।

विद्वानों और लेखकों की गठित चयन समिति की अनुशंसाओं के आधार पर उक्त लेखकों / विद्वानों का चयन किया गया है। कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य (पश्चिमी क्षेत्र) के क्षेत्र में दिए जाने वाले भाषा सम्मान के निर्णायक मंडल के सदस्य थे – प्रो. श्रीकांत शंकर बाहुलकर, श्री हरीशचंद्र टी. नागवेनकर तथा प्रो. नामदेव ताराचंदाणी तथा तुलु भाषा के क्षेत्र में दिए जानेवाले भाषा सम्मान के निर्णायक मंडल के सदस्य थे – डॉ. चिन्नप्पा गौड़ा, प्रो. चंद्रकला नंदावरा तथा श्रीमती जानकी ब्रह्मवारा। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने सर्वसम्मति से वर्ष 2016 के भाषा सम्मान हेतु उक्त लेखकों / विद्वानों का चयन किया।

भाषा सम्मान के अंतर्गत पुरस्कार विजेताओं को 1,00,000 / –रुपए नकद तथा उत्कीर्ण ताम्रफलक भविष्य में कोई तिथि निर्धारित कर एक विशेष समारोह में अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किए जाएँगे।

प्रकाशन एवं प्रसारण हेतु जारी।

(के. श्रीनिवासराव)